CHAPTER 1 , सिल्वरवैडिंग

PAGE 20 , अभ्यास

12:1:1:अभ्यास:1

यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है। लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?

उत्तर: बचपन में ही अपने माता-पिता की मृत्यु के कारण यशोधर बाबू पर बहुत ज्यादा जिम्मेदारिया आ गयी थी। वह हमेशा पुराने लोगों के बीच में रहे थे। वह अपनी परंपराओं और जिम्मेदारियों को कभी छोड़ नहीं पाए। यशोधर बाबू अपने आदर्श किशन दा से अधिक प्रभावित हैं। और आधुनिक परिवेश में जीवन के बदलते मूल्यों और आधुनिकता के खिलाफ हैं। जबकि उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ हमेशा खड़ी दिखाई देती है। उनकी पत्नी अपने बच्चों के आधुनिक दृष्टिकोण से प्रभावित है। वह बेटी के निर्देशों के अनुसार नए जमाने के कपड़े पहनती है और बेटों के किसी भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करती है। यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ बदल रही है, लेकिन यशोधर बाबू अभी भी किशन दा के संस्कारों और परंपराओं से जुड़े हैं।

12:1:1:अभ्यास:2

पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य की आप कितनी अर्थ छवियाँ खोज सकते/सकती हैं?

उत्तर: पाठ में, दर्शाया गया यह वाक्य "जो हुआ होगा" पहली बार तब आता है जब यशोधर बाबू ने किशन दा के जाति-भाइयो में से किसी एक से किशन दा की मृत्यु का कारण पूछा और उन्हें उत्तर मिला - "जो हुआ होगा" अर्थात् जो भी हुआ वो ज्ञात नहीं है, अब इसका मतलब यह निकालता है कि किसी को भी किशन दा की मौत का कारण जानने की इच्छा नहीं थी, इससे उनकी हीन स्थिति का संकेत मिलता है। दूसरा अर्थ यह है कि किशन दा हमेशा इस वाक्य का उपयोग करते हैं। वे अपने ही लोगों की उपेक्षा के लिए ऐसा करते हैं। कहते हैं कि, "भाई! सभी लोगों की मृत्यु इसी" जो हुआ होगा "से होती है: चाहे गृहिणी, ब्रह्मचारी, अमीर, गरीब, लेकिन मरने वाले" जो हुआ होगा "से ही मरते हैं। शुरुआत में और अंत में सब बिल्कुल अकेले रहते हैं। इस दुनिया में कोई अपना सगा नहीं होता।, बस अपने नियम पर चलो और उसका पालन करो। "

12:1:1:अभ्यास:3

‘समहाउ इंप्रापर’ वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में तकिया कलाम की तरह करते हैं। इस वाक्यांश का उनके व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य से क्या संबंध बनता है?

उत्तर: यशोधर बाबू हर "अनुचित" प्रतीत होने वाले वाक्य पर अपने वाक्य कहने के पहले तकिया कलाम के रूप में "समहाउ इंप्रापर " जैसे तकिया कलाम का उपयोग करते हैं। इस पाठ में, वाक्यांशो "समहाउ इंप्रापर" तकिया कलाम का प्रयोग निम्नलिखित संदर्भों में किया गया है:

1. ऑफिस में सिल्वरवेडिंग की एक पार्टी करने पर
2. जब अपने साधारण बेटे को असाधारण वेतन मिलता है।
3. स्कूटर की सवारी पर।
4. अपनों से अपनेपन जैसा व्यवहार ना मिलने पर।
5. डीडीए के फ्लैट का पैसा न भरने पर।
6. समृद्धि और कार्यक्रमों में अपने रिश्तेदारों की उपेक्षा करने पर।
7. जब पुत्र अपने पिता को अपना वेतन नहीं सौंपता है।
8. जब पत्नी आधुनिकता को अपनाती हो।
9. शादी के संबंध में बेटी के खुद के निर्णय पर।

10. बिना बताए घर पर सिल्वरवेडिंग पार्टी के तामझाम पर।

11. केक काटने की विदेशी परंपरा पर।

इन संदर्भों से स्पष्ट है कि यशोधर बाबू एक सिद्धांतवादी और परंपरावादी हैं। यशोधर बाबू आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन-मूल्यों और पश्चिमी आधुनिकता के खिलाफ हैं। कहीं न कहीं ये बातें उनकी अप्रासंगिकता को दर्शाती हैं और उम्र के अनुसार नयी पीढ़ियों के बीच की कमी को दर्शाती हैं।

12:1:1:अभ्यास:4

यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशनदा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। आपके जीवन को दिशा देने में किसका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा और कैसे?

उत्तर: यशोधर बाबू की कहानी को दिशा निर्देश देने में किशनदा की भूमिका रही ,उसी प्रकार हर विद्यार्थी अपने जीवन को दिशा निर्देश देने वाले शख्स के बारे में खुद की सहमति से लिखे।

12:1:1:अभ्यास:5

वर्तमान समय में परिवार की संरचना, स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव इस कहानी से कहीं तक सामंजस्य बिठा पाते हैं?

उत्तर: कहानी में चित्रित परिवार का रूप और संरचना आज लगभग हर परिवार में मौजूद है। संयुक्त परिवार प्रणाली लगभग समाप्त होते जा रही है। नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की बात और सलाह को नकार रही है। नए युवा कुछ नया करना चाहते हैं, वो पुरानी परंपराओं के निर्वाह में विश्वास नहीं करते हैं। यशोधर बाबू की तरह आज का मध्यमवर्गीय पिता मजबूर है। वह किसी भी विषय पर अपना निर्णय नहीं दे सकता। माताएं अपने बच्चों के साथ वर्तमान पीढ़ी के समर्थन में खड़ी प्रतीत होती हैं। आज की पीढ़ी फैशन-उन्मुख हो गई है, आधुनिक और पश्चिमी जीवन शैली अपनी हर चीजों में लाती जा रही है। माता-पिता और परिवार के साथ समय बिताने से अधिक, वे दोस्तों के साथ पार्टी करने का आनंद लेते हैं। लड़कियाँ फैशन के अनुसार कपड़े पहनती हैं, यशोधर की बेटी उन्ही सभ्यताओं का प्रतिनिधित्व करती है। और ये कहानी सिर्फ यशोधर बाबू के परिवार की ही कहानी नहीं है आज हर परिवार की कहानी है।

12:1:1:अभ्यास:6

निम्नलिखित में से किसे आप कहानी की मूल संवेदना कहेंगे/कहेंगी और क्यों?

(क) हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्य

(ख) पीढ़ी का अंतराल

(ग) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

उत्तर: इस कहानी में, अगर मूल संवेदना की बात की जाए, तो तीनों किसी न किसी रूप में मौजूद हैं। यशोधर की विधवा बुआ जिन्हो ने उन्हें पाला पोसा है। यशोधर बाबू उनको पैसे भेजते हैं ये बात उनके बेटे को अच्छा नहीं लगता है। अर्थात एक बहुत बूढ़ी औरत के प्रति यशोधर के बच्चों में कोई दया या सेवा की भावना नहीं है। बच्चे उनकी बातों को और उनकी सलाह को पूरी तरह से खारिज करना शुरू कर दिया है। इन सबके आधार पर हम कह सकते हैं कि मानवता , भाईचारा, प्रेम, रिश्तेदारी, बड़ों के प्रति सम्मान आदि को हाशिए पर दिखाया गया है। साथ ही "सिल्वर वेडिंग " जैसी पश्चिमी परंपरा का निर्वाह दर्शाता है कि बच्चों पर पश्चिमी

संस्कृति का पूरा प्रभाव है। दो पीढ़ियों के बीच का अंतराल भी इसका कारण है जिसे यशोधर बाबू खुद स्वीकार करते हैं। उनका मानना है कि दुनियादारी के मामले में उनकी पत्नी और बच्चे उनसे आगे हैं। लेकिन वह पुराने आदर्शों और मूल्यों से जुड़े हुए हैं। क्योंकि वह उन सामाजिक मूल्यों को बचाना चाहते हैं, लेकिन उनके अपने बच्चे यानि नई पीढ़ी वाले उनकी सोच का दृढ़ता से विरोध करती है, नई पीढ़ी पुराने सादगी को गुजरा जमाना और रिश्तेदारी निभाने को आर्थिक घाटा मानती है । लेकिन आपसी संतुलन बनाने के लिए पुरानी पीढ़ी को थोड़ा आधुनिक होना पड़ेगा और नई पीढ़ी को पुरानी परंपराओं और मान्यताओं को मानने के लिए थोड़ा विचार करने की आवश्यकता है।

12:1:1:अभ्यास:7

अपने घर और विद्यालय के आस-पास हो रहे उन बदलावों के बारे में लिखें जो सुविधाजनक और आधुनिक होते हुए भी बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते। अच्छा न लगने के क्या कारण होंगे?

हमारे घर और विद्यालय के आस - पास आजकल निम्नलिखित बदलाव हो रहे हैं जो बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते वो इस प्रकार हैं।

(क) पहले बच्चे मैदानों में और बगीचों में जा कर शारीरिक खेल जैसे कब्बडी ,कुश्ती ,फुटबॉल ,आदि खेलते थे लेकिन अब बच्चों विडियो गेम या कंप्यूटर गेम खेलने लगे। बुजुर्गों को यह अच्छा नहीं लगता है। उन्हें लगता है की ऐसे खेल स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छे नहीं है। इससे बच्चे उल्टा ही सीखते हैं। यह उनका शारीरिक तथा मानसिक विकास बाधित करता है।

(ख) आज कल हर घरों में एक नया फैशन चला है बाहर का खाना घर में मंगाकर खाना तथा रेस्त्रां में जाकर जंगफूड खाना। बुजुर्गों का मानना है कि बाहर खाना सही नहीं होता है। इससे आप के सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

(ग) मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग भी बुजुर्गों को अच्छा नहीं लगता। और माँ-पिता द्वारा बच्चों को मोबाइल फोन देना उचित नहीं है। बच्चे अन्य क्रिया - कलापो को छोड़कर इसी

में लगे रहते हैं। इस तरह उनकी सोच में विकास नहीं हो पता है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से भी हानिकारक होता है।

(घ) रसोईघर में आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल भी बुजुर्गों को अच्छा नहीं लगता है उनका मानना है कि परंपरागत तरीके से खाना पकाना चाहिए या गर्म करना चाहिए।

(ङ) आज कल विद्यालय में मैदान के स्थान पर स्कूल की ऊंची इमारत बना दी जाती है हर साल विद्यालयों में नए - नए पाठ्यक्रम जोड़ दिए जाते हैं जिससे बच्चों के स्कूली थैले के वजन में वृद्धि होती जा रही है। मेरे दादाजी इससे नाराज़ रहते हैं। उन्हें लगता है कि इससे बच्चों के खेलने का स्थान भी समाप्त हो रहा है और उन्हें मानसिक तौर पर यातनाएँ दी जा रही हैं जो उनके विकास के लिए सही नहीं हैं।

12:1:1:अभ्यास:8

यशोधर बाबू के बारे में आपकी क्या धारणा बनती है? दिए गए तीन कथनों में से आप जिसके समर्थन में हैं, अपने अनुभवों और सोच के आधार पर उसके लिए तर्क दीजिए-

(क) यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह से पुराने हैं और वे सहानुभूति के पात्र नहीं हैं।

(ख) यशोधर बाबू में एक तरह का द्वंद्व है जिसके कारण नया उन्हें कभी-कभी खींचता तो है पर पुराना छोड़ता नहीं। इसलिए उन्हें सहानुभूति के साथ देखने की ज़रूरत है।

(ग) यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व है और नयी पीढ़ी द्वारा उनके विचारों का अपनाना ही उचित है।

उत्तर: यशोधर बाबू में एक प्रकार का द्वंद है उन्हें कभी - कभी 'नया' खींचता तो है लेकिन पुराने को वे नहीं छोड़ पाते। इसलिए उन्हें सहानुभूति के साथ देखने की जरूरत है। यशोधर बाबू जैसे लोग आमतौर पर किसी न किसी से प्रभावित होते हैं, जैसे कि यशोधर बाबू किशन दा प्रभावित है और पारंपरिक रास्तो पर चलना पसंद करते हैं और समाज में हो रहे बदलाव पसंद नहीं करते , इसलिए वो समय के साथ ढलने में नाकाम रहते हैं। लेकिन नई पीढ़ी को उनकी सोच के बारे में थोड़ा समझना चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए। दोस्ताना रवैया अपना कर उन्हें दूसरे दौर में प्रवेश करने में मदद करनी चाहिए।